Hindi :

Table of Contents

1. कवि से परिचय
2. फूल और काँटा

कवि से परिचय

"उठो लाल, अब आँखें खोलो। पानी लाई हूँ, मुँह धो लो।" यह पंक्ति बच्चों के लिए प्रसिद्ध कविता से है। इस कविता के रचयिता अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' हैं, जो "फूल और काँटा" के कवि भी हैं। हरिऔध जी का जन्म उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ जिले में हुआ था। वे बच्चों के लिए अनेक रोचक और शिक्षाप्रद कविताएँ लिखते थे। उनकी प्रमुख काव्य-कृति "प्रियप्रवास" खड़ी बोली का पहला महाकाव्य मानी जाती है। उनके कविता-संकलनों में "चंद्र-खिलौना" और "खेल-तमाशा" विशेष रूप से उल्लेखनीय हैं।

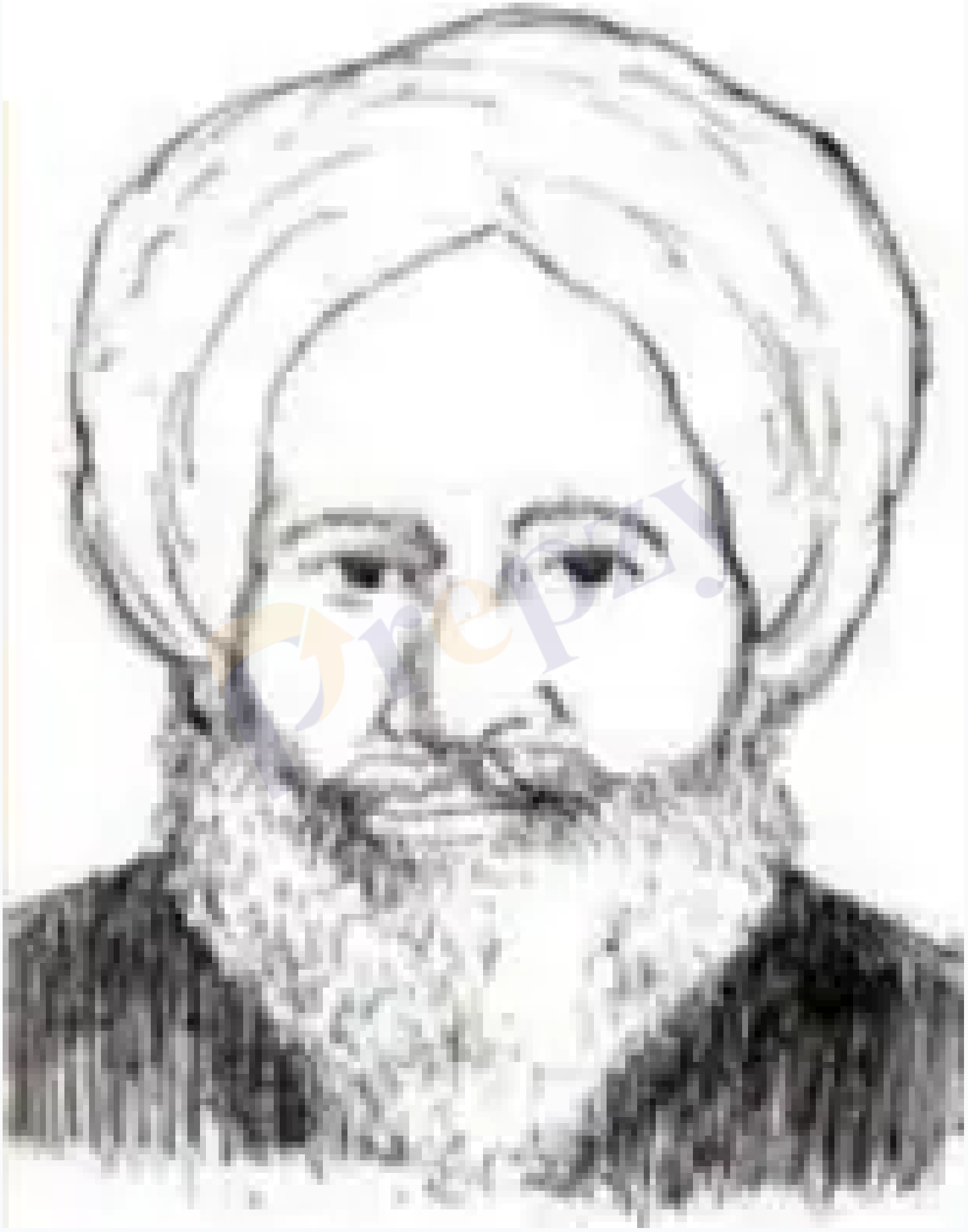

□□□□□ □□□□□

- अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' का जन्म आजमगढ़, उत्तर प्रदेश में हुआ।
- वे बच्चों के लिए सरल और रोचक कविताएँ रचते थे।
- उनकी प्रमुख काव्य-कृति "प्रियप्रवास" खड़ी बोली का पहला महाकाव्य है।
- उनके कविता-संकलनों में "चंद्र-खिलौना" और "खेल-तमाशा" प्रसिद्ध हैं।
- "फूल और काँटा" उनकी प्रसिद्ध कविता है।

पाठ्य प्रमाण / उदाहरण

"उठो लाल, अब आँखें खोलो। पानी लाई हूँ, मुँह धो लो।"

हल किए गए उदाहरण

प्रश्न: अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' की कविताओं की विशेषता क्या है?

उत्तर: उनकी कविताएँ बच्चों के लिए सरल, रोचक और शिक्षाप्रद होती हैं, जो बच्चों के मनोविज्ञान के अनुरूप होती हैं। वे भाषा में सहजता और भावों में स्पष्टता रखते हैं।

Prepzy

अभ्यास प्रश्न

- स्तर **1 – सरल:** अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' का जन्म कहाँ हुआ था?
- स्तर **2 – मध्यम:** हरिऔध जी की प्रमुख काव्य-कृति कौन-सी है?
- स्तर **3 – कठिन:** बच्चों के लिए हरिऔध जी की कविताओं का क्या महत्व है?

उत्तर कुंजी

- उत्तर 1: आजमगढ़, उत्तर प्रदेश।
- उत्तर 2: "प्रियप्रवास"।
- उत्तर 3: उनकी कविताएँ बच्चों के लिए रोचक और शिक्षाप्रद होती हैं, जो बच्चों के मनोविज्ञान के अनुरूप होती हैं।

त्वरित संदर्भ

- [illegible] 'Ключ' – Ключ, Ключи [illegible]
- Ключ Ключ-Ключ – "[illegible]"
- [illegible] – "Код [illegible]", "Ключ-Ключи", "Код-Ключ"

[illegible]

- Ключ-Ключ: Ключ [illegible]
- Ключ Ключ: Ключ Ключ [illegible]
- Ключ: [illegible]

Код [illegible]

[illegible] Ключ [illegible] Ключ Ключ Ключ Код [illegible] Ключ [illegible] Код [illegible] [illegible] Ключ Ключ [illegible] [illegible], [illegible] [illegible], [illegible] [illegible] Код [illegible] Ключ [illegible], Код [illegible] Ключ [illegible] [illegible] Код-Код Ключ Код Ключ [illegible] Ключ [illegible], Ключ Код [illegible] [illegible] Ключ Ключ [illegible] [illegible] [illegible] Ключ Код [illegible] Ключ [illegible] [illegible] Ключ [illegible] [illegible] Код Ключ



□□□□□ □□□□□

- फूल और काँटा एक ही पौधे पर होते हैं, पर उनके गुण और प्रभाव भिन्न होते हैं।
- काँटा चोट पहुँचाता है, जबकि फूल सुगंध और रंगों से आनंद देता है।
- कविता में प्रकृति के विभिन्न तत्वों का उल्लेख है जैसे चाँदनी, बारिश, हवा।
- कविता का केंद्रीय भाव जीवन में भिन्नता और विविधता को स्वीकारना है।

पाठ्य प्रमाण / उदाहरण

"छेद कर काँटा किसी की उँगलियाँ, प्यार-डूबी तितलियों का पर कतर, भौंर का है बेध देता श्याम तन।"

हल किए गए उदाहरण

प्रश्न: इस कविता में फूल और काँटे का क्या प्रतीकात्मक अर्थ है?

उत्तर: फूल जीवन के सुंदर और सकारात्मक पहलुओं का प्रतीक है, जबकि काँटा जीवन की कठिनाइयों और दुखों का प्रतीक है। दोनों मिलकर जीवन की विविधता और द्वैत को दर्शाते हैं।

Prepzy

अभ्यास प्रश्न

- स्तर **1 – सरल:** फूल और काँटा किस पर जन्म लेते हैं?
- स्तर **2 –** मध्यम **:** कविता में फूल और काँटे के बीच क्या भेद बताया गया है?
- स्तर **3 –** कठिन **:** "फूल और काँटा" कविता से जीवन के किस सन्देश को समझा जा सकता है?

उत्तर कुंजी

- उत्तर 1: एक ही पौधे पर।
- उत्तर 2: फूल सुगंधित और सुंदर होता है, काँटा चोट पहुँचाता है।
- उत्तर 3: जीवन में सुख-दुख, सुंदरता और कष्ट दोनों होते हैं, जिन्हें स्वीकार करना चाहिए।

[illegible]

- [illegible] – [illegible], [illegible], [illegible] [illegible]
- [illegible] – [illegible], [illegible], [illegible] [illegible]
- [illegible] [illegible] – [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

[illegible]

- [illegible]: [illegible]
- [illegible]: [illegible] [illegible]
- [illegible]: [illegible] [illegible]
- [illegible]: [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]